हुई सफल कमाई महाराज भरतरी थारी

हुई सफल कमाई महाराज ,
भरतरी ओ थारी , भरतरी थारी ।
मालिक रे कारण जोग फकीरी धारी ।
ईश्वर रे कारण जोग फकीरी धारी ॥

राजा सूतो महल रे माँय ,
तृष्णा जागी , तृष्णा ओ जागी ।
ज्यां ने मिल गया गोरख नाथ ,
भरमना ओ भागी
हुई सफल कमाई ।

राजा गयो जंगल रे माँय ,
दे रयो हेला , दे रयो हेला ।
ज्यां ने मिल गया गोरख नाथ ,
मूड लिया चेला
हुई सफल कमाई ।

राजा जावो शहर रे माँय ,
दे आवो फेरी , दे आवो फेरी ।
पिंगळा ने कहिजो मात ,
करो मत देरी ॥
हुई सफल कमाई ।

राजा गयो महल रे माँय ,
दे रयो फेरी , दे रयो फेरी ।
भिक्षा घालो पिंगळा मात ,
मत करो देरी ॥
हुई सफल कमाई ।

राणी खड़ी महल रे माँय ,
लटिया तोड़े , लटिया तोड़े ।
राजा एक दिन पकड्यो हाथ ,
प्रीत काँई तोड़े ।
हुई सफल कमाई ।

राणी खड़ी ड्योढ़ी के बीच ,
कळप रही काया , कलप रही काया ।
थारा मरजो गोरख नाथ ,
राज छुड़वाया ॥
हुई सफल कमाई ।

राणा मत दे गुरुने गाळ ,
करम रेखा न्यारी , करम रेखा न्यारी ।
म्हारे लिखिया विधाता लेख ,
टरे नहीं टारी ॥
हुई सफल कमाई ।

एक सोहन शिखर रे बीच ,
सांकड़ी सेरी , सांकड़ी सेरी ।
ए गावे जरणानाथ ,
भजन रा ओ लहरी ॥
हुई सफल कमाई ।

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/36271/title/Hui-safal-kamai-maharaj-bharthari-thari

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |